Daily Current Affairs

Date : 21 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	साइबर सुरक्षा और जागरूकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन : जयपुर
2.	राजस्थान में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा योजना (PM- UShA)' की स्थिति
3.	'स्ट्रेला 10M एयर डिफेंस सिस्टम' का सफल परीक्षण
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राज सिंह जोधा : राष्ट्रीय साइक्लिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक 2. डॉ. डी.पी. शर्मा : यूनेस्को के लीड ऑथर नियुक्त 3. सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय (SPUP), जोधपुर 4. राज्यस्तरीय 'घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु (DNT) जातियों के लिए' संचालित शिविर 5. जेन-जी (Gen-Z) थीम पर आधारित पहला डाकघर
5.	ECI खेल सप्ताह, 2026
6.	छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती
7.	विश्व सामाजिक न्याय दिवस, 2026
8.	बोर्ड ऑफ पीस
9.	भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल
10.	भारत में मृदा के स्वास्थ्य में गिरावट पर रिपोर्ट
11.	VoicERA और भाषिणी
12.	गैस टरबाइन इंजन
13.	भारत GI (Bharat GI)
14.	बायो-AI मूलांकुर (Bio-AI Mulankur)
15.	टेटनस एवं वयस्क डिप्थीरिया (TD) वैक्सीन
16.	इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

साइबर सुरक्षा और जागरूकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जयपुर में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA) द्वारा तीन दिवसीय 'साइबर सुरक्षा और जागरूकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **मुख्य अतिथि :** भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा।
- **आयोजन अवधि :** 20 से 22 फरवरी, 2026 तक।
- **आयोजक :** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA)।
- **आयोजन स्थल :** राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विषय :** 'साइबर सुरक्षा : जागरूकता, संरक्षण एवं न्याय तक समावेशी पहुँच' (Cyber Safety : Awareness, Protection and Inclusive Access to Justice)
- **मुख्य उद्देश्य :** डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करना।
- **लॉन्चिंग :** सम्मेलन के दौरान राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA) द्वारा ऑनलाइन मध्यस्थता एवं लोक अदालत प्लेटफॉर्म 'ई-समाधान' लॉन्च किया गया। साथ ही, "महिला पंचायत पैन राजस्थान" का शुभारंभ किया गया।
- समारोह में स्पोर्ट्स फॉर अवेयरनेस "उड़ान 2.0" कार्यक्रम के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेता दिव्यांग बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **साइबर सुरक्षा में राजस्थान का स्थान :** ठगी गई राशि को फ्रीज करने और धोखाधड़ी नेटवर्क को तोड़ने के मामले में राजस्थान पुलिस देश में 5वें स्थान पर है।
- **राजस्थान में साइबर न्यायालय की स्थापना :** साइबर अपराध की नई चुनौतियों से बचाव के लिए राजस्थान में साइबर न्यायालय की स्थापना की जाएगी।
- **राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर ठगी की रोकथाम के लिए संचालित ऑपरेशन :** ऑपरेशन म्यूल अकाउंट एवं POS, ऑपरेशन साइबर शील्ड, ऑपरेशन एंटी वायरस और ऑपरेशन वज्र प्रहार।
- **राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर :** 24 मई, 2025 को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 'राजस्थान के पहले साइबर सपोर्ट सेंटर' की शुरुआत की गई। यह साइबर सपोर्ट सेंटर 'रेस्पोन्सिबल नेटिज़न्स एवं कोग्टा फाउंडेशन' द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **राजस्थान साइबर क्राइम कण्ट्रोल सेण्टर (R4C) :** प्रदेश में साइबर अपराधों पर नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए 'राजस्थान साइबर क्राइम कण्ट्रोल सेण्टर (R4C)' की स्थापना की जा रही है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- राजस्थान सरकार द्वारा 07 जुलाई, 1998 को जारी अधिसूचना के माध्यम से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RALSA) का गठन किया गया।
- **राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष :** न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा।
- **राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष :** न्यायमूर्ति विक्रम नाथ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा योजना (PM- UShA)' की स्थिति

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-UShA)' के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा 4 राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों एवं 30 राजकीय महाविद्यालयों की 34 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं, जिनकी कुल लागत ₹330 करोड़ है।

मुख्य बिन्दु:

- प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM- UShA) के अंतर्गत जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर सबसे पहले चयनित होने वाला विश्वविद्यालय था।

इस अभियान के अंतर्गत राजस्थान के चयनित विश्वविद्यालय:

- गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा।
- महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
- जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
- मुगनीराम बांगुर मेमोरियल यूनिवर्सिटी, जोधपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **नोट : राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) 1.0 एवं 2.0 के तहत राजस्थान में 5 विश्वविद्यालयों एवं 116 महाविद्यालयों में कुल 130 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं, जिनकी कुल लागत ₹611 करोड़ है।**

RUSA के अंतर्गत राजस्थान के चयनित विश्वविद्यालय:

- **मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।**
- **जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।**
- **राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।**
- **महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।**
- **कोटा विश्वविद्यालय, कोटा।**

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **वर्ष 2013 और 2018 में शुरू क्रमशः 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) – 1.0 और 2.0 केंद्र प्रायोजित अभियान थे।**
- **इन अभियानों को जून, 2023 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) - 2020 के तहत पुनर्गठित कर 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM- UShA)' के रूप में शुरू किया गया।**
- **PM- UShA अभियान के तहत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त संस्थान शामिल है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'स्ट्रेला 10M एयर डिफेंस सिस्टम' का सफल परीक्षण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय सेना की कोणार्क कॉर्प्स ने पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'स्ट्रेला 10M एयर डिफेंस सिस्टम' का सफल परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

- स्ट्रेला-10M (9K35 Strela-10) एक सोवियत-विकसित अत्यधिक गतिशील और कम दूरी वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
- इसे मुख्य रूप से कम ऊँचाई पर उड़ने वाले खतरों; जैसे - हेलीकॉप्टर, लड़ाकू विमान और ड्रोन को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह सिस्टम इन्फ्रारेड सीकर (IR seeker) तकनीक का उपयोग करता है। यह विमान या ड्रोन के इंजन से निकलने वाली हीट को पकड़कर उसे हवा में ही तबाह कर देता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह प्रणाली MT-LB ट्रैक किए गए बख्तरबंद वाहन पर तैनात होती है, जिससे यह कठिन इलाकों, जैसे – रेगिस्तानी टीलों और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर आसानी से चल सकती है।
- **मारक दूरी (Range) :** इसकी प्रभावी मारक क्षमता 5 से 10 किलोमीटर तक है और यह 3,500 मीटर की ऊंचाई तक के लक्ष्यों को भेद सकती है।
- **मिसाइल गति :** मैक 2 (लगभग 550 मीटर/सेकंड)।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

सैन्य अभ्यास वज्रघात :

- हाल ही में, भारतीय सेना द्वारा पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सैन्य अभ्यास वज्र घात आयोजित किया गया, जिसमें K9 वज्र सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी गन सिस्टम का रेगिस्तान युद्ध परिस्थितियों में संचालन तत्परता और युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया गया।
- इस सैन्य अभ्यास का मुख्य उद्देश्य युद्धक्षेत्र में रक्षात्मक क्षमता और संचालन दक्षता को बढ़ाने के लिये परिष्कृत रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं को पहचानना था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राज सिंह जोधा : राष्ट्रीय साइक्लिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक** ■ पैरालम्पिक कमेटी ऑफ इंडिया (PCI) और साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (CFI) द्वारा हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय साइक्लिंग चैंपियनशिप में राज सिंह जोधा ने कांस्य पदक जीता।
2.	**डॉ. डी.पी. शर्मा : यूनेस्को के लीड ऑथर नियुक्त** ■ जयपुर निवासी डॉ. डी.पी. शर्मा को यूनेस्को की 'विज्ञान और नवाचार' रिपोर्ट के लिए 'विज्ञान एवं तकनीकी नवाचार में सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच डिजिटल डिवाइड' विषय पर लीड ऑथर नियुक्त किया गया। ■ कंप्यूटर वैज्ञानिक और डिजिटल डिप्लोमेसी विशेषज्ञ डॉ. डी.पी. शर्मा वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचारों के तुलनात्मक परिदृश्य पर एक विस्तृत अध्ययन का नेतृत्व करेंगे। ■ यह उच्च स्तरीय रिपोर्ट सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के तकनीकी ढांचों के बीच समन्वय, चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संभावनाओं का विश्लेषण करेगी।
3.	**सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय (SPUP), जोधपुर** ■ हाल ही में, राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय का दौरा किया। ■ सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय (SPUP) एक विशिष्ट राज्य विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2012 में पुलिस विज्ञान, सुरक्षा और आपराधिक न्याय के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	■ विश्वविद्यालय का मुख्य फोकस पुलिस प्रशासन, कानून, अपराध विज्ञान (Criminology), साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर है। ■ यह संस्थान भारतीय पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR&D) और राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) जैसे संगठनों के साथ मिलकर अनुसंधान और प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।
4.	**राज्यस्तरीय 'घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु (DNT) जातियों के लिए' संचालित शिविर** ■ राजस्थान के सभी जिलों में 12 जनवरी से 15 फरवरी, 2026 तक संचालित शिविरों में घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु (DNT) समुदाय के 12, 455 व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए गए। ■ प्रदेश में सर्वाधिक श्री गंगानगर जिले में 1884, पाली में 1286, बीकानेर में 1263, अजमेर में 1006, अलवर में 969 समुदाय के लोगों को पहचान पत्र जारी किए गए।
5.	**जेन-जी (Gen-Z) थीम पर आधारित पहला डाकघर** ■ राजस्थान में जेन-जी (Gen-Z) थीम पर आधारित पहला डाकघर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर में खोला गया है। ■ इसे IIT जोधपुर के छात्रों द्वारा ही डिजाइन किया गया है, जिसमें पुरानी परंपराओं और आधुनिक तकनीक का मिश्रण है। यहाँ युवाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए कॉफी वेंडिंग मशीन, मिनी लाइब्रेरी, बैठने की जगह और एक समर्पित फिलाटेली (डाक टिकट संग्रह) वॉल बनाई गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

ECI खेल सप्ताह, 2026

चर्चा में क्यों?

- भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स स्पोर्ट्स (CWG) कॉम्प्लेक्स में अपने वार्षिक खेलकूद सप्ताह 2026 के समारोह का शुभारंभ किया।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने "रन फॉर डेमोक्रेसी" थीम के तहत् महिलाओं की 100 मीटर की दौड़ की शुरुआत की।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 16 से 21 फरवरी, 2026 तक।
- **थीम:** "मैदान में सद्भाव, लोकतंत्र में मजबूती" (Harmony on the field, Strength in Democracy)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयोजक:** रिक्रिएशन क्लब
- **प्रतिभागी:** 72 महिलाओं सहित 383 प्रतिभागी।
- **खेल एवं स्पर्धाएं:** 7 खेलों की 43 श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी, जिनमें शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स ट्रैक इवेंट्स (पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग आयु-वर्गों में 100, 200, 400 और 800 मीटर की दौड़ स्पर्धाएं) शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती (19 फरवरी) पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हिंदवी स्वराज की स्थापना की।

मुख्य बिन्दु:

छत्रपति शिवाजी महाराज:

- **जन्म:** 19 फरवरी, 1630ई. को शिवनेरी दुर्ग, पुणे, महाराष्ट्र।
- **आरंभिक जीवन:** वर्ष 1645 में पहली बार अपने सैन्य उत्साह का प्रदर्शन किया, इन्होंने बीजापुर के अधीन तोरण किले तथा कोंडाना किले पर सफलतापूर्वक नियंत्रण प्राप्त कर लिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उपाधियाँ: छत्रपति, शाककार्ता, क्षत्रिय कुलवंत और हैंदव धर्मोधारक।**
- **मृत्यु: 3 अप्रैल, 1680**
- **शिवाजी महाराज द्वारा लड़े गए प्रमुख युद्ध:**

युद्ध	विवरण
प्रतापगढ़ का युद्ध, 1659 : प्रतापगढ़, सतारा शहर, महाराष्ट्र	शिवाजी और आदिलशाही सेनापति अफ़ज़ल खान की सेनाओं के मध्य। शिवाजी ने वर्ष 1659 में बाघ नख का उपयोग कर अफ़ज़ल खान को मारा।
पवन खिंड का युद्ध, 1660 : विशालगढ़ दुर्ग, कोल्हापुर	मराठा सरदार बाजी प्रभु देशपांडे और आदिलशाही के सिद्दी मसूद के मध्य।
सूरत का युद्ध, 1664 : सूरत, गुजरात	शिवाजी और मुगल कप्तान इनायत खान के मध्य।
पुरंदर का युद्ध, 1665	मुगल और मराठा साम्राज्य के मध्य।
सिंहगढ़ का युद्ध, 1670 : सिंहगढ़, महाराष्ट्र	शिवाजी महाराज के सेनापति तानाजी मालुसरे और जय सिंह प्रथम के अधीन गढ़वाले उदयभान राठौड़ के मध्य।
कल्याण का युद्ध, 1682-83	मुगल साम्राज्य के बहादुर खान ने मराठा सेना को हराकर कल्याण पर अधिकार कर लिया।
संगमनेर की युद्ध, 1679	शिवाजी का अंतिम युद्ध, मुगल और मराठा साम्राज्य के मध्य।

- **केंद्रीय प्रशासन:**
  - **प्रशासन की शैली: दक्कन शैली।**
  - **अधिकांश प्रशासनिक सुधार: अहमदनगर में मलिक अंबर के सुधारों से प्रेरित।**
  - **राज्य का सर्वोच्च प्रमुख: राजा।**
  - **अष्टप्रधान: राजा को आठ मंत्रियों के एक समूह द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

1. पेशवा (प्रधानमंत्री)
2. अमात्य/मजूमदार (वित्त मंत्री)
3. वाकिया-नवीस/मंत्री (सूचना/गृह मंत्री)
4. सचिव/शुरुनवीस/चिटनिस (पत्र व्यवहार)
5. सुमन्त/दबीर (विदेश मंत्री)
6. सेनापति/सर-ए-नौबत (रक्षा मंत्री)
7. पण्डितराव/सदर (दान अध्यक्ष)
8. न्यायाधीश

- **राजस्व प्रशासन:**
  - रैय्यतवाड़ी प्रणाली: शिवाजी ने जागीरदारी प्रणाली को समाप्त कर दिया और इसे रैय्यतवाड़ी प्रणाली से बदल दिया तथा वंशानुगत राजस्व अधिकारियों की स्थिति में परिवर्तन किया, जिन्हें देशमुख, देशपांडे, पाटिल एवं कुलकर्णी के नाम से जाना जाता था।
  - चौथ और सरदेशमुखी: चौथ कुल राजस्व का 1/4 भाग था, जिसे गैर-मराठा क्षेत्रों से मराठा आक्रमण से बचने के बदले में वसूला जाता था तथा सरदेशमुखी कर आय का 10 प्रतिशत होता था जो अतिरिक्त कर के रूप में होता था।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **मराठा मिलिट्री लैंडस्केप:** भारत के मराठा मिलिट्री लैंडस्केप (12 किले) यानी 'मराठा सैन्य किले' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 44वें यूनेस्को धरोहर स्थल के रूप में शामिल किया गया।
- **शामिल किए गए किले:** शिवनेरी पहाड़ी किला, राजगढ़ पहाड़ी किला (हिंद स्वराज का पहला राजनीतिक अड्डा), रायगढ़ पहाड़ी (दूसरी राजधानी और स्वर्ण सिंहासन की स्थापना), विजयदुर्ग तटीय किला (पूर्व का जिब्राल्टर), खंडेरी द्वीपीय किला, सिंधुदुर्ग द्वीप दुर्ग तथा सुवर्णदुर्ग आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मराठा मिलिट्री लैंडस्केप के किले

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

विश्व सामाजिक न्याय दिवस, 2026

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2026 में, विश्व सामाजिक न्याय दिवस " सामाजिक विकास और सामाजिक न्याय के प्रति नवीकृत प्रतिबद्धता " विषय के तहत् मनाया गया।

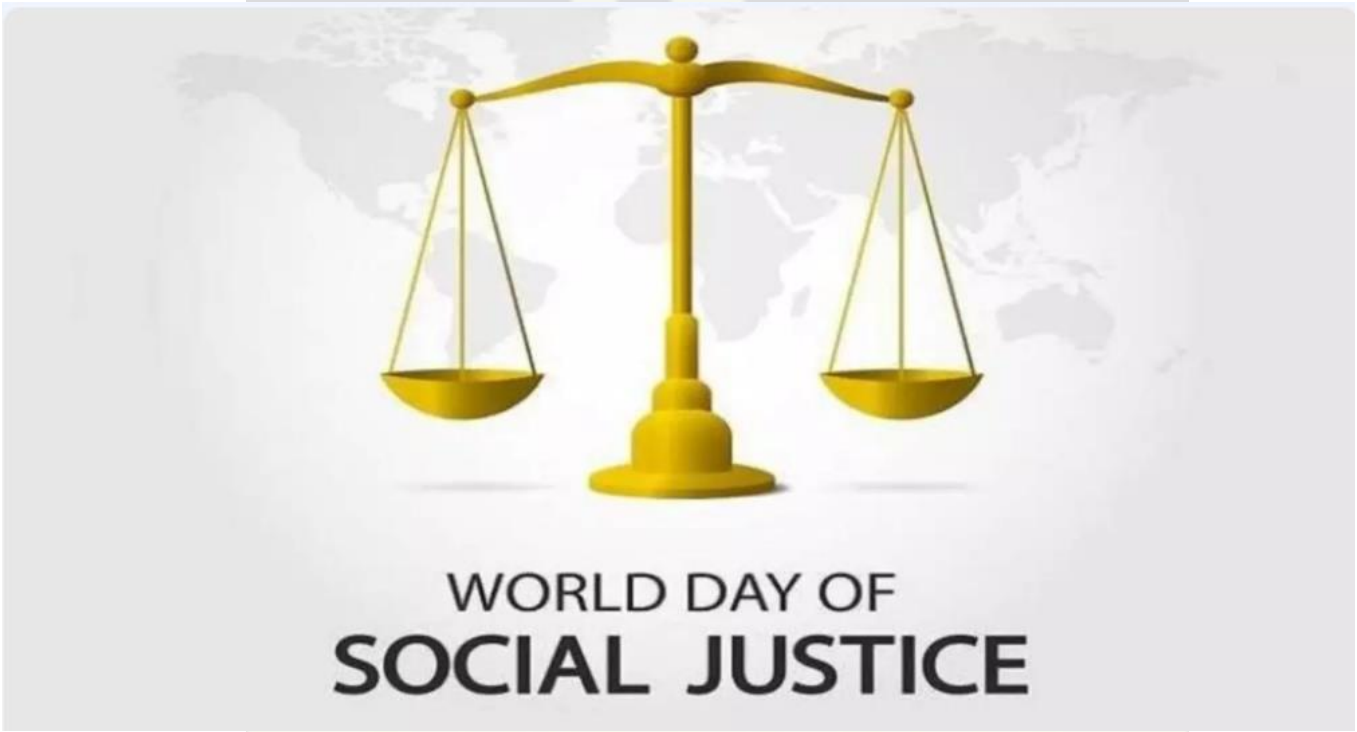

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** समाज में संसाधनों, अवसरों और विशेषाधिकारों का निष्पक्ष और समान वितरण सामाजिक न्याय कहलाता है।
- **पृष्ठभूमि:** अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने 10 जून, 2008 को सर्वसम्मति से निष्पक्ष वैश्वीकरण के लिए सामाजिक न्याय पर ILO घोषणापत्र को अपनाया।
- यह वर्ष 1944 के फिलाडेल्फिया घोषणापत्र, वर्ष 1995 के कोपेनहेगन घोषणापत्र और वर्ष 1998 के कार्यस्थल पर मौलिक सिद्धांतों और अधिकारों पर घोषणापत्र पर आधारित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्थापना:** 26 नवंबर, 2007 को महासभा ने घोषणा की 20 फरवरी को प्रतिवर्ष सामाजिक न्याय के विश्व दिवस के रूप में मनाया जाएगा। जिसका पहला आयोजन वर्ष 2009 में हुआ था।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संगठन (ILO) ने 10 जून, 2008 को निष्पक्ष वैश्वीकरण के लिए सामाजिक न्याय पर घोषणा को सर्वसम्मति से अपनाया।
- **वर्ष 2026 का विषय:** "Renewed Commitment to Social Development and Social Justice".
- **भारत में नोडल मंत्रालय:** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (वर्ष 1985-86)।
- **सामाजिक न्याय के स्तंभ:**

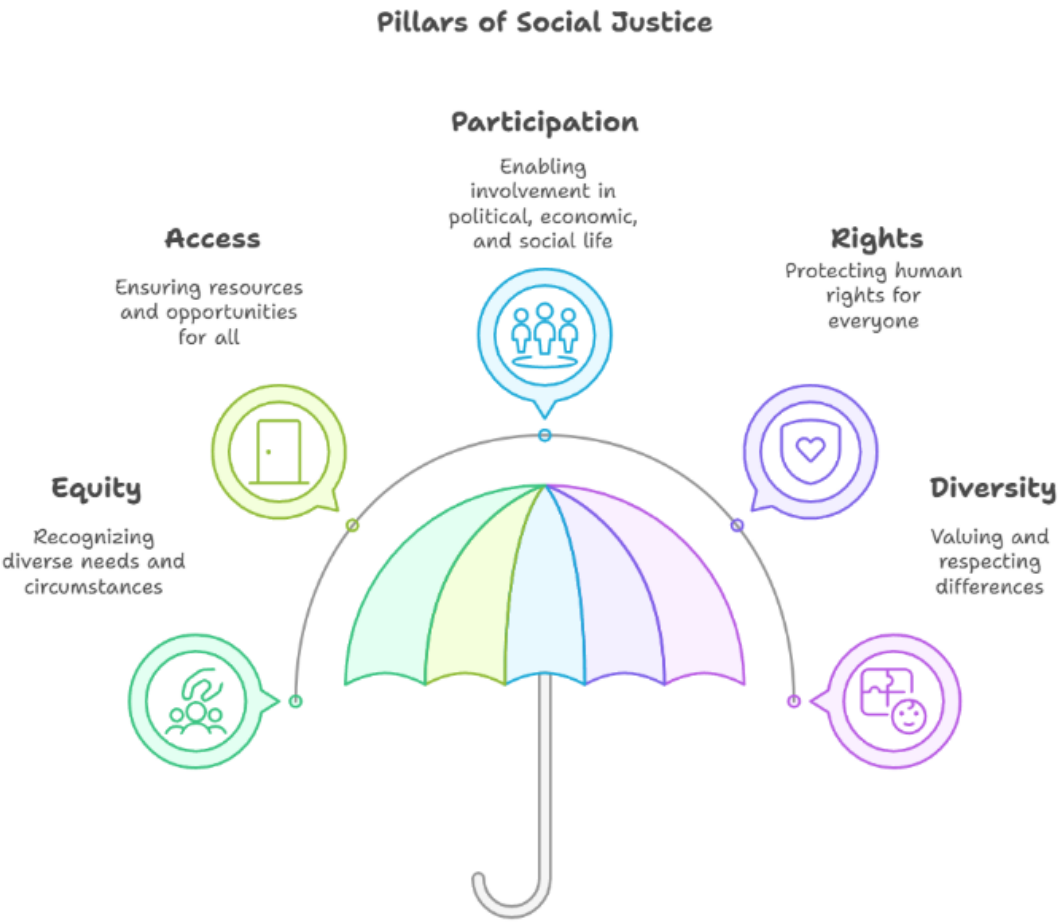

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **SDG संरेखण:** SDG1 (गरीबी उन्मूलन), SDG 8 (सतत, समावेशी आर्थिक विकास, पूर्ण रोजगार और सभी के लिए सम्मानजनक कार्य), SDG10 (असमानताओं में कमी) का प्रत्यक्ष रूप से समर्थन करता है ।
- **भारत के संविधान में सामाजिक न्याय:**
  - प्रस्तावना: यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करता है।
  - मौलिक अधिकार: अनुच्छेद- 23 (मानव तस्करी और जबरन श्रम) और अनुच्छेद- 24 (खतरनाक व्यवसायों में बाल श्रम पर प्रतिबंध)।
  - राज्य नीति के निर्देशकीय सिद्धांत: अनुच्छेद- 38 (सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करना), अनुच्छेद- 39 (समान आजीविका, उचित वेतन और शोषण से सुरक्षा), अनुच्छेद 39A (निःशुल्क कानूनी सहायता की गारंटी) और अनुच्छेद- 46 (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और कमजोर वर्गों के लिए विशेष शैक्षिक और आर्थिक प्रोत्साहन)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

बोर्ड ऑफ पीस

चर्चा में क्यों?

- भारत ने गाजा पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में एक पर्यवेक्षक देश के रूप में भाग लिया।

मुख्य बिन्दु:

बोर्ड ऑफ पीस

- **स्थापना:** जनवरी, 2026
- **उत्पत्ति:** इसकी उत्पत्ति अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की "गाजा के लिए 20-सूत्री शांति योजना" से हुई है।
  - इस योजना को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा संकल्प 2803 के माध्यम से समर्थन दिया गया था।
- **उद्देश्य:** गाजा को एक विसैन्यीकृत और आर्थिक रूप से स्थिर क्षेत्र में बदलना।
- **सदस्य:** इसकी अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसमें चुनिंदा वैश्विक नेताओं का एक कार्यकारी बोर्ड है। इसकी सदस्यता आमंत्रण-आधारित है।
  - इसमें निश्चित कार्यकाल वाले और शुल्क का भुगतान करने वाले स्थायी सदस्य शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल

चर्चा में क्यों?

- भारत और यूनाइटेड किंगडम ने इंडिया-यूके ऑफशोर विंड टास्कफोर्स का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

- **गठन:** विजन 2035 एवं चौथे भारत-यूके ऊर्जा संवाद के तहत, भारत में अपतटीय पवन ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के विकास हेतु रणनीतिक नेतृत्व और समन्वय प्रदान करने के लिए।
- **उद्देश्य:** स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के अंतर्गत अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग को तीव्र करना।
- **प्रमुख क्षेत्र:** पारिस्थितिकी तंत्र नियोजन, बाजार संरचना, समुद्र तल पट्टा ढांचा तथा राजस्व निश्चितता तंत्र।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

भारत में मृदा के स्वास्थ्य में गिरावट पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- यह रिपोर्ट भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER) ने जारी की है।
- **रिपोर्ट का शीर्षक:** 'भारत में मृदा उपचार: बेहतर फसल स्वास्थ्य और मानव पोषण के लिए'।

मुख्य बिन्दु:

मृदा गिरावट के प्राथमिक कारण

- **विकृत उर्वरक नीति:** अत्यधिक सब्सिडी वाले यूरिया (नाइट्रोजन का स्रोत) पर 80% से अधिक सब्सिडी मिलती है, जबकि फास्फोरस (P) और पोटेशियम (K) के लिए सब्सिडी काफी कम है। मूल्य का यह अंतर किसानों को नाइट्रोजन के अत्यधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करता है।
- **दोषपूर्ण कृषि पद्धतियाँ:** गहन जुताई, धान की खेती में लंबे समय तक जलभराव, एकल फसल कृषि/ मोनोक्रॉपिंग पर भारी निर्भरता और फसल अवशेषों को जलाने से मृदा के प्राकृतिक कार्बन की हानि होती है तथा इसकी संरचना को नुकसान पहुँचता है।
- **व्यापक पैमाने पर मृदा अपरदन:** भारत में जल और वायु अपरदन के कारण वार्षिक लगभग 5.3 बिलियन टन ऊपरी मृदा का लोप हो जाता है। इससे प्रतिवर्ष 5.4–8.4 मिलियन टन प्राथमिक पोषक तत्त्व नष्ट हो जाते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत में मृदा स्वास्थ्य की स्थिति

- **नाइट्रोजन की कमी:** भारत की लगभग 95% मृदा में पर्याप्त नाइट्रोजन का अभाव है। यह पादप वृद्धि के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण प्राथमिक पोषक तत्त्व है।
- **निम्न जैविक कार्बन:** भारतीय मृदा के 75% हिस्से में 'मृदा जैविक कार्बन' का स्तर 0.75% की न्यूनतम आवश्यक सीमा से भी कम है। कार्बन की यह कमी मृदा की उर्वरा शक्ति और जल धारण क्षमता को कमजोर करती है।
- **फॉस्फोरस और पोटेशियम की कमी:** केवल 45% मृदा में ही पर्याप्त फास्फोरस उपलब्ध है। केवल 32% मृदा में पर्याप्त पोटेशियम का स्तर पाया गया है।
- **सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी:** भारत की लगभग आधी मृदा में सल्फर, बोरॉन और जिंक जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की भारी कमी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

VoicERA और भाषिणी

चर्चा में क्यों?

- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाषिणी (BHASHINI) राष्ट्रीय भाषा अवसंरचना पर VoicERA शुरू किया गया।

मुख्य बिन्दु:

VoicERA

- यह एक ओपन-सोर्स, एंड-टू-एंड वॉयस एआई स्टैक है।
- **विकासकर्ता:** डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग।
  - यह प्रभाग केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के अंतर्गत कार्य करता है।
- कार्य: बहुभाषी वॉयस एवं भाषा एआई के लिए एक राष्ट्रीय क्रियान्वयन चरण के रूप में कार्य करना।
  - यह भाषिणी की क्षमताओं को अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकियों से आगे बढ़ाकर रियल-टाइम स्पीच सिस्टम, संवाद आधारित एआई और अधिक लोगों तक बहुभाषी टेलीफोनी तक विस्तारित करेगा।

भाषिणी

- BHASHINI एआई-संचालित भाषा अनुवाद प्लेटफार्म है। यह साक्षरता, भाषा और डिजिटल से संबद्ध अंतरालों को पाटते हुए (विशेष रूप से गैर-अंग्रेजी भाषी क्षेत्रों में) कार्यबल की भागीदारी को बढ़ाता है।
- **उद्देश्य:** भाषा और प्रौद्योगिकी को सभी के लिए सुलभ बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गैस टरबाइन इंजन

चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्री ने बेंगलुरु में डीआरडीओ के गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान का दौरा किया और कावेरी इंजन के आफ्टरबर्नर परीक्षण सहित चल रही स्वदेशी सैन्य गैस टरबाइन परियोजनाओं की समीक्षा की।

मुख्य बिन्दु:

गैस टरबाइन इंजन

- गैस-टरबाइन इंजन एक आंतरिक दहन इंजन है जो टरबाइन को घुमाकर बिजली उत्पन्न करने के लिए हवा और ईंधन का उपयोग करता है।
- इसमें एक कंप्रेसर, दहन कक्ष और टरबाइन शामिल हैं, जहाँ हवा को संपीड़ित किया जाता है, ईंधन को स्थिर दबाव पर जलाया जाता है, और अतिरिक्त हवा टरबाइन तक पहुँचने से पहले गैसों को ठंडा करती है।
- गैस टरबाइन का उपयोग विमानन (जेट प्रणोदन), विद्युत ऊर्जा उत्पादन और पाइपलाइनों के लिए कंप्रेसर चलाने में किया जाता है।
- पहला सफल गैस टरबाइन 1903 में पेरिस में बनाया गया था।

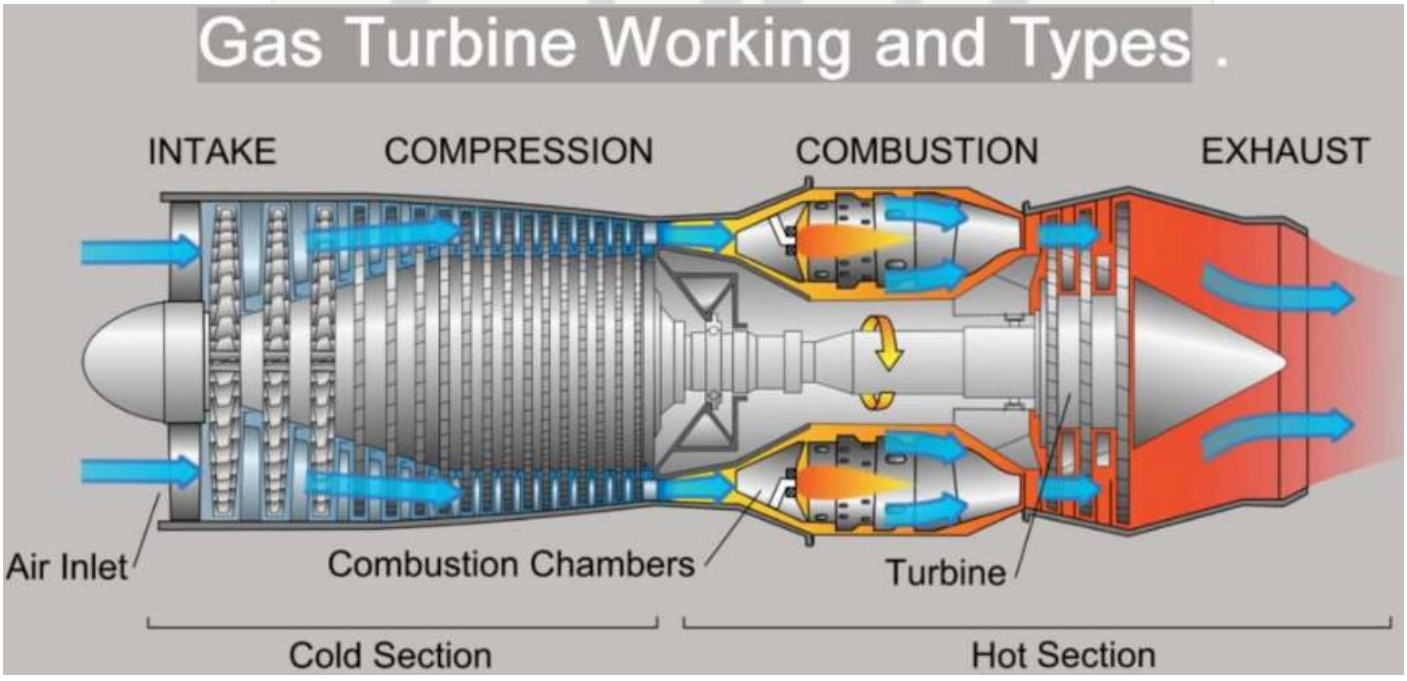

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत GI (Bharat GI)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में इंडिया AI इम्पैक्ट समिट में 'भारत GI' का अनावरण किया गया।

मुख्य बिन्दु:

भारत GI

- यह भारत के विशिष्ट भौगोलिक संकेतक (GI) उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है।
- **प्रारंभकर्ता:** केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बायो-AI मूलांकुर (Bio-AI Mulankur)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने घोषणा की कि सरकार "बायो-एआई मूलांकुर हब्स" की स्थापना करेगी।

मुख्य बिन्दु:

बायो-एआई मूलांकुर हब्स

- **उद्देश्य:** ऐसे एकीकृत और क्लोज्ड-लूप शोध प्लेटफॉर्म विकसित करना, जहाँ AI आधारित पूर्वानुमान और प्रयोगशाला द्वारा सत्यापन एक ही ढाँचे में साथ-साथ कार्य करें।
- **मुख्य क्षेत्रक:** जीनोमिक्स डायग्नोस्टिक्स, बायो-मॉलिक्यूलर डिजाइन, सिंथेटिक बायोलॉजी, आयुर्वेद-आधारित अनुसंधान।
  - ये सभी बायो E3 (पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति के अनुरूप हैं।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** भारत सरकार का जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

टेटनस एवं वयस्क डिप्थीरिया (TD) वैक्सीन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 21 फरवरी, 2026 को केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (CRI), कसौली, हिमाचल प्रदेश में टिटनेस एवं वयस्क डिप्थीरिया (TD) वैक्सीन का शुभारंभ किया।

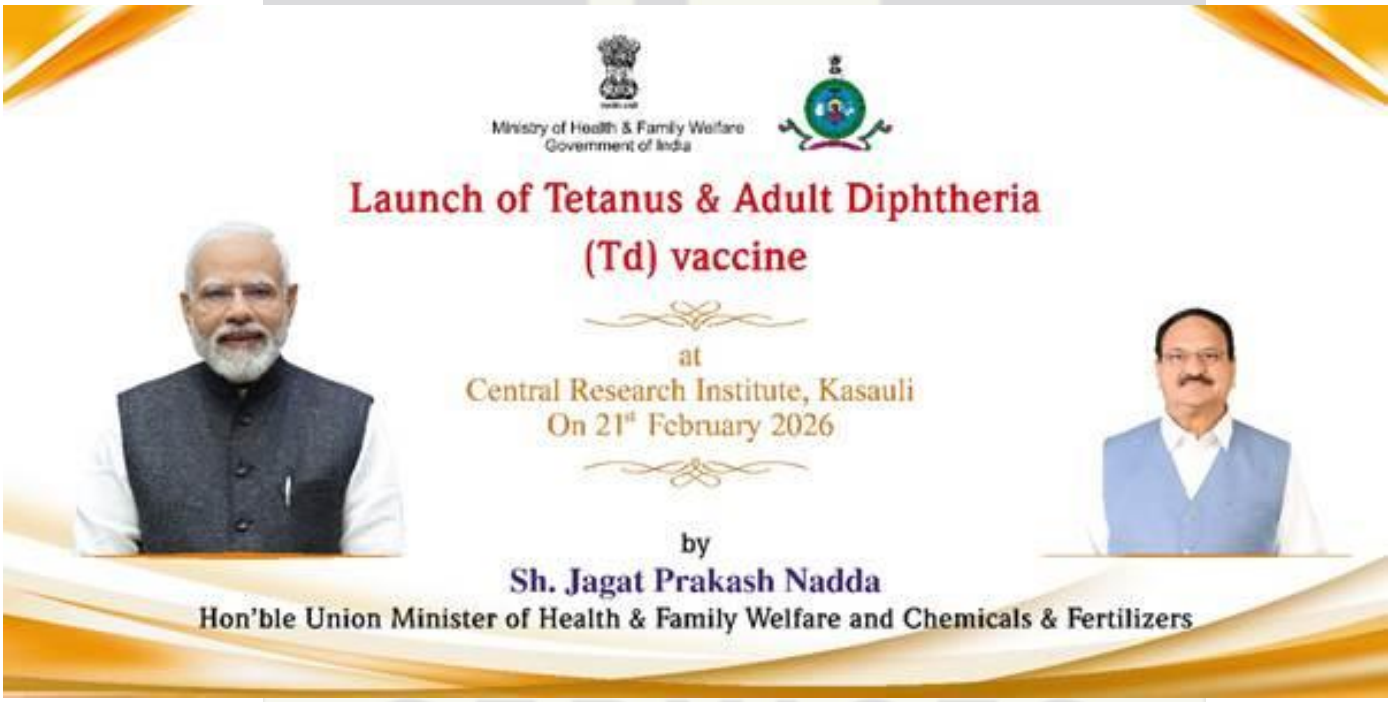

मुख्य बिन्दु:

- **आवश्यकता:** बच्चों में डीपीटी समूह के टीकों का व्यापक टीकाकरण करने से कई देशों में डिप्थीरिया एवं टेटनस के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि, समय के साथ एंटीबॉडी का स्तर कम हो सकता है, विशेष कर डिप्थीरिया मामलों में, इसलिए बूस्टर डोज की आवश्यकता होती है। इसके मद्देनजर, वर्ष 2006 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने देशों को टेटनस टॉक्सॉइड (TT) वैक्सीन से DT वैक्सीन में रूपांतरित होने की सिफारिश की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (NTAGI), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भी गर्भवती महिलाओं सहित सभी उम्र के लोगों के लिए भारत के टीकाकरण कार्यक्रम में TT वैक्सीन को TD वैक्सीन से रूपांतरित करने की सिफारिश की है।
- **उद्देश्य:** टीडी वैक्सीन की शुरुआत करने का उद्देश्य किशोरों एवं वयस्कों में सुरक्षा को मजबूत करना और टीका-रोकथाम योग्य बीमारियों से जुड़ी रुग्णता एवं मृत्यु दर में कमी लाना है।
- **वाणिज्यिक उत्पादन:** केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला, कसौली, हिमाचल प्रदेश
- आपूर्ति: DT वैक्सीन का शुभारंभ करने के बाद, CRI अप्रैल, 2026 तक सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) को 55 लाख खुराक की आपूर्ति करेगा।
- **टीके की संरचना:** TD टीका (टेटनस और वयस्क डिफ्थीरिया टीका – अवशोषित, घटित डी-एंटीजन सामग्री) दोनों टेटनस एवं डिफ्थीरिया से सुरक्षा प्रदान करता है। इसे शुद्ध डिप्थीरिया टॉक्सॉइड और शुद्ध टेटनस टॉक्सॉइड को मिलाकर बनाया जाता है। एंटीजन एल्युमीनियम फॉस्फेट पर अवशोषित होते हैं, जो एक सहायक पदार्थ के रूप में कार्य करता है और थियोमर्सल को परिरक्षक के रूप में मिलाया जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **TD वैक्सीन:** टेटनस-डिप्थीरिया (TD) वैक्सीन एक ऐसा इंजेक्शन है जो दो बीमारियों - टेटनस और डिप्थीरिया - से सुरक्षा प्रदान करता है। इसका उपयोग आमतौर पर बचपन में शुरुआती टीकाकरण के बाद निरंतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए बूस्टर शॉट के रूप में किया जाता है।

डिप्थीरिया	टेटनस
एक संक्रामक जीवाणु रोग है। इससे गले में एक मोटी परत जम जाती है जिससे सांस लेने में रुकावट आ सकती है। डिप्थीरिया की जटिलताओं में हृदय गति रुकना, लकवा और यहां तक कि मृत्यु भी शामिल है।	टेटनस एक जीवाणु संक्रमण है जो किसी गंदे घाव या चोट के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है। टेटनस संक्रमण, जिसे कभी-कभी जबड़े का अकड़ना भी कहा जाता है, पूरे शरीर में दर्दनाक मांसपेशियों में अकड़न पैदा करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026

चर्चा में क्यों?

- 16 से 20 फरवरी, 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में इंडिया-AI इंपैक्ट समिट, 2026 का आयोजन किया गया। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) सम्मेलन है।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक:** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
- **विषयवस्तु एवं दार्शनिक आधार:** "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" (सभी के कल्याण और सभी की खुशी) के आदर्श पर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आगामी आयोजन:** स्विट्जरलैंड जिनेवा में एआई इम्पैक्ट समिट, 2027 की मेजबानी करेगा तथा वर्ष 2028 शिखर सम्मेलन की मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात द्वारा की जाएगी।
- **तीन सूत्र (स्तंभ):** इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 तीन आधारभूत स्तंभों या सूत्रों से निर्देशित है। ये सूत्र एआई में वैश्विक सहयोग को दिशा देने वाले बुनियादी सिद्धांतों को रेखांकित करते हैं।

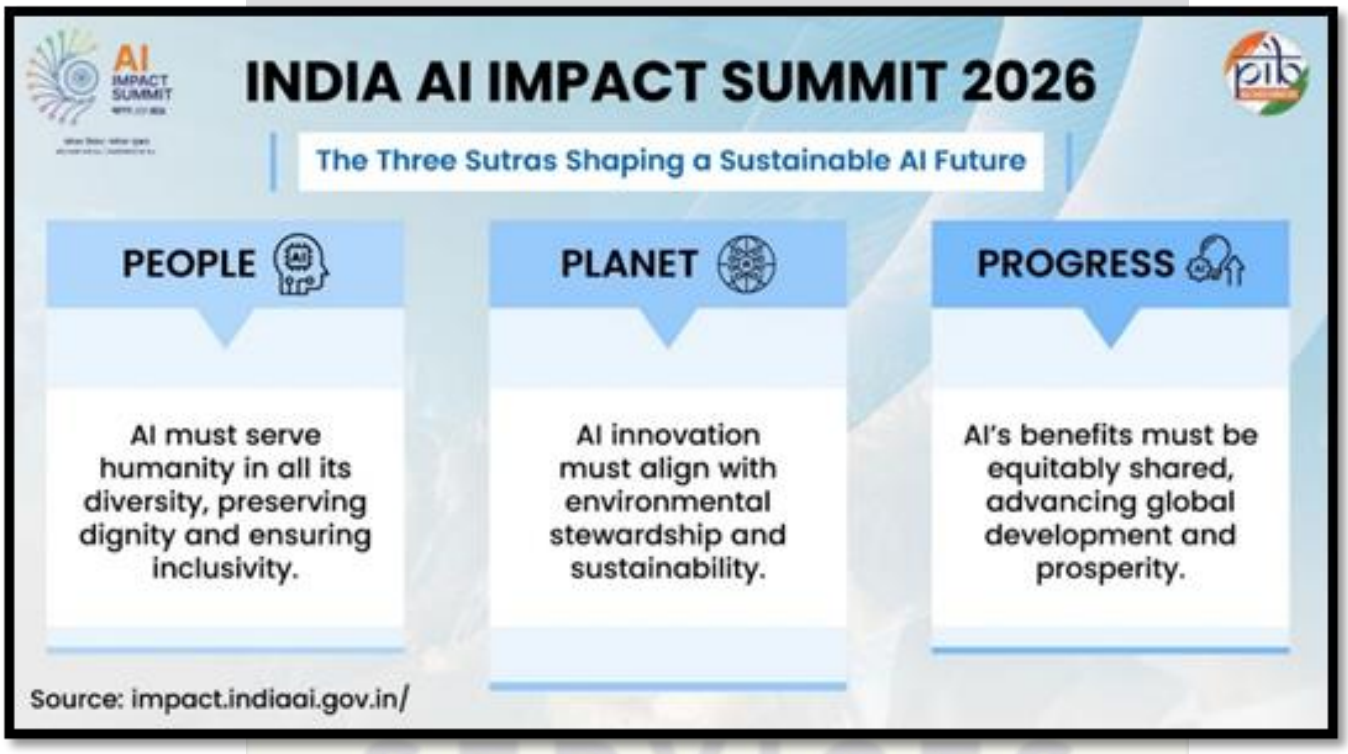

1. **पीपुल (लोग):** मानव केंद्रित एआई के बढ़ावा देना जो अधिकारों का रक्षक हो, सेवाओं तक पहुंच बढ़ाए, विश्वास बनाए और समाजों के बीच न्यायसंगत लाभ सुनिश्चित करे।
2. **प्लेनेट (ग्रह):** ऊर्जा कुशल प्रणालियों, संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग तथा जलवायु संरक्षण की कार्रवाइयों और पर्यावरण की सहनशीलता को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय तौर पर संवहनीय एआई का उन्नयन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **प्रोग्रेस (विकास):** नवोन्मेष, क्षमता निर्माण तथा उत्पादकता, प्रगति और विकास परिणामों को बढ़ाने के लिए एआई के उपयोग के जरिए समावेशी आर्थिक और प्रौद्योगिकीय विकास को समर्थन।

- **सात चक्र (कार्य समूह):**

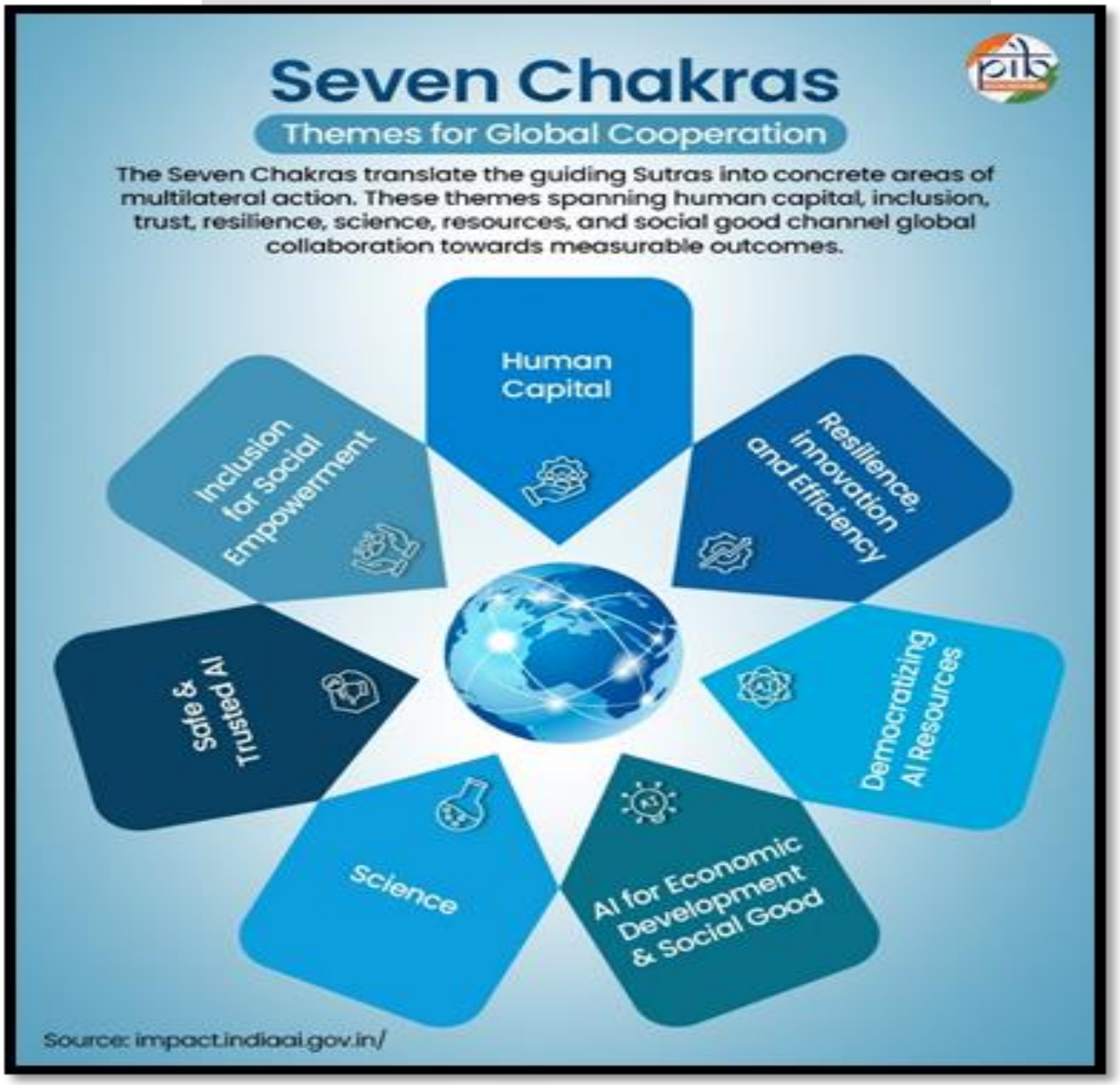

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

1. **मानव पूंजी:** यह चक्र लक्षित कौशल-विकास के माध्यम से एक न्यायसंगत एआई पुनःकौशल (री-स्किलिंग) पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित है।
2. **सामाजिक सशक्तिकरण हेतु समावेशन:** यह चक्र साझा AI समाधान और विस्तारयोग्य मॉडलों के माध्यम से समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।
3. **सुरक्षित और विश्वसनीय AI:** यह चक्र जिम्मेदार एआई के वैश्विक सिद्धांतों को व्यावहारिक और परस्पर-संचालित सुरक्षा तथा शासन ढाँचों में बदलने पर केंद्रित है।
4. **लचीलापन, नवाचार और दक्षता:** यह चक्र बड़े पैमाने के AI प्रणालियों से उत्पन्न पर्यावरणीय और संसाधन चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित है, जो वैश्विक AI विभाजन को बढ़ा सकती हैं।
5. **विज्ञान:** यह चक्र बड़े पैमाने के एआई प्रणालियों से उत्पन्न पर्यावरणीय और संसाधन चुनौतियों का समाधान करने पर केंद्रित है, जो वैश्विक एआई विभाजन को बढ़ा सकती हैं।
6. **AI संसाधनों का लोकतंत्रीकरण:** यह चक्र ऐसे वैश्विक AI पारिस्थितिकी तंत्र की कल्पना करता है जहाँ AI विकास के मूलभूत साधनों तक सभी की समान और किफायती पहुँच हो।
7. **आर्थिक वृद्धि और सामाजिक कल्याण हेतु AI:** यह चक्र एआई की क्षमता का उपयोग वास्तविक समावेशी विकास के लिए करने के तरीकों की पड़ताल करता है, साथ ही उच्च प्रभाव वाले उपयोग मामलों की पहचान और समर्थन करता है जो आर्थिक प्रगति और सामाजिक हित—दोनों के लिए एआई के आदर्श उदाहरण बन सकें।

- **तीन वैश्विक इम्पैक्ट चुनौतियाँ:** समिट की प्रमुख विशेषताओं में तीन वैश्विक इम्पैक्ट चुनौतियाँ—AI for ALL, AI by HER और YUVAi—शामिल हैं;

1. **AI for ALL:** ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज का उद्देश्य बड़े पैमाने पर प्रभाव डालने वाली एआई समाधानों की पहचान करना है। इसे Startup India के साथ साझेदारी में, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा डिजिटल इंडिया भाषानी प्रभाग द्वारा लागू किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **AI by HER:** ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज का उद्देश्य एआई में महिला-नेतृत्व वाले नवाचार को बढ़ावा देना है। इसे नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
3. **YUVAi:** ग्लोबल यूथ चैलेंज का उद्देश्य युवा नवप्रवर्तकों को वास्तविक समस्याओं के समाधान हेतु एआई समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। 13–21 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए आयोजित यह चुनौती माई भारत और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से संचालित की जा रही है।

■ **परिणाम:**

1. शिखर सम्मेलन से पहले 30 देशों में 550 सम्मेलन और कार्यक्रम आयोजित किए गए।
2. युवाओं की भागीदारी से भारत ने 24 घंटों में 25 लाख से अधिक AI जिम्मेदारी प्रतिज्ञाओं के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
3. अवसंरचना निवेश के वादे $250 अरब को पार कर गए हैं, साथ ही लगभग $20 अरब की डीप-टेक वेंचर प्रतिबद्धता भी हैं।
4. **कृत्रिम बुद्धिमत्ता हेतु भारत का मानव (MANAV) विजन:** भारत के प्रधानमंत्री ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026 में मानव विजन प्रस्तुत किया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन के प्रति भारत के मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **यह पांच मूलभूत स्तंभों का संक्षिप्त रूप है:**

i. **M - नैतिक और आचार संबंधी प्रणालियाँ: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास नैतिक दिशा-निर्देशों पर सख्ती से आधारित होना चाहिए।**

ii. **A - जवाबदेह शासन: पारदर्शी नियमों और मजबूत निगरानी तंत्रों को सुनिश्चित करना।**

iii. **N - राष्ट्रीय संप्रभुता: इस सिद्धांत को सुदृढ़ करना कि डेटा उन लोगों का है जो इसे उत्पन्न करते हैं ।**

iv. **A - सुलभ और समावेशी: एआई को सामाजिक लाभ के लिए एक गुणक के रूप में कार्य करना चाहिए, न कि कुछ ही हाथों में केंद्रित एकाधिकार के रूप में।**

v. **V – वैध और कानूनी प्रणालियाँ: एआई प्रणालियाँ और उनके अनुप्रयोग वैध, सत्यापन योग्य और भरोसेमंद होने चाहिए।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5. **पैक्स सिलिका पहल:** इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026 के पांचवें दिन, भारत औपचारिक रूप से पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल हो गया, जो भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

- **शुरुआत:** यह एक अमेरिकी नेतृत्व वाली रणनीतिक पहल है जिसे दिसंबर, 2025 में एक सुरक्षित, लचीली और नवाचार-संचालित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:** महत्त्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टरों, उन्नत विनिर्माण, एआई अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और जबरदस्ती की निर्भरता का मुकाबला करना है।
- **सदस्य:** पैक्स सिलिका के सदस्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इज़राइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम शामिल थे।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

भारत में वर्तमान AI ईकोसिस्टम:

- तकनीक और AI ईकोसिस्टम में 6 मिलियन से अधिक लोग कार्यरत हैं। अनुमान है कि भारत में AI दक्ष कार्यबल वर्ष 2027 तक 12.5 लाख से अधिक हो जाएगा, जो डेटा साइंस, AI इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स के क्षेत्र में मज़बूत मांग को दर्शाता है।
- देश में लगभग 1.8 लाख स्टार्टअप्स हैं और पिछले वर्ष लॉन्च हुए नए स्टार्टअप्स में लगभग 89% ने अपने उत्पादों या सेवाओं में AI का उपयोग किया।
- NASSCOM AI Adoption Index में भारत का स्कोर 2.45/4 है, जो दर्शाता है कि 87% उद्यम सक्रिय रूप से AI समाधानों का उपयोग कर रहे हैं।
- AI को अपनाने में अग्रणी क्षेत्र हैं: औद्योगिक और ऑटोमोटिव, उपभोक्ता वस्तुएँ और रिटेल, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा तथा स्वास्थ्य सेवा। ये क्षेत्र मिलकर AI के कुल मूल्य का लगभग 60% योगदान करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR